

# आलोचना

त्रैमासिक

2003

सहस्राब्दी अंक चौदह  
जुलाई-सितम्बर

प्रधान सम्पादक  
नामवर सिंह

SALTOC Project

Title: Ālocanā (Delhi, India)

Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa Ī

OCLC: 4094931

No. 14 (Jul-Sep 2003)

TOC Provided by Center for Research Libraries

सम्पादक  
परमानन्द श्रीवास्तव

सहसम्पादक  
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक  
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक  
अशोक महेश्वरी

## अनुक्रम

यह अंक : 5

### सृजन-परिदृश्य

- विनोदकुमार शुक्ल की आठ कविताएँ 7  
नीलेश रघुवंशी की दस कविताएँ 10  
उपन्यास अंश : उत्तर-कथा : अलका सरावगी 14

### संवाद : विचारधारा और सौन्दर्यशास्त्र

- कविता की अपवादी परम्परा : अष्टभुजा शुक्ल 17  
रूसी रूपवाद और उसकी प्रासंगिकता : राजनाथ 32  
सौन्दर्यशास्त्र, जनतंत्र और बाजार-संस्कृति : शंभुनाथ 43  
सौन्दर्यशास्त्र की समस्याग्रस्तता : रघुवंश मणि 50  
पाठ में कविता का सौन्दर्य : जयप्रकाश 54  
सौन्दर्य की राजनीति और जन-विकल्प : विनोद शाही 64  
सबाल्टर्न सौन्दर्य-चेतना का भारतीय परिप्रेक्ष्य : भवदेव पांडेय 76  
सौन्दर्यशास्त्र और विचारधारा : कला की वर्तमान स्थिति : मकरन्द परांजपे 81

### वातचीत

- स्वीकार्य की सीमाएँ : मंगलेश डबराल/ललित कार्तिकेय 88

### मूल्यांकन-परिदृश्य

- आखिरी कलाम : राजनीतिक समालोचना का सर्जनात्मक विस्फोट : पी.एन. सिंह 97  
रूसी और हिन्दी कविता के सेतु वरयाम सिंह : अनिल त्रिपाठी 115

- सुन्दर का सत्य : कृष्णमोहन 121  
और अब सौन्दर्यशास्त्रीय मार्क्सवाद : आशुतोष कुमार 126  
सौन्दर्य की अवधारणा और काव्य-विडम्बना : अमिताभ खरे 133

### स्मरण

- पाब्लो नेरुदा की कविता : एक आलोचकीय टिप्पणी : सुरेश सलिल 141  
फिर लौटता हूँ अपनी तुकबंदियों की तरफ : बरयाम सिंह 149

### आलोचना-परिदृश्य

- विचारों के अन्तर्राष्ट्रीय प्रसार की सामाजिक परिस्थितियाँ : पियरे बोदर्यू 153  
आषाढ़ का एक दिन : एक रंगमंचीय अध्ययन : देवेन्द्र राज 'अंकुर' 159  
भूमंडलीकरण के कैदी : गिरीश मिश्र 165  
भारतीय उपमहाद्वीप का स्त्री-लेखन : रोहिणी अग्रवाल 172  
साहित्य, संस्कृति और भूमंडलीकरण : भालचन्द्र नेमाड़े 186